25-07-99

सफलता प्राप्त करने का आधार हिम्मत और दृढ़ता

आज बापदादा के पास दादी जानकी और सर्व लंदन निवासियों की यादप्यार और उमंग-उत्साह के संकल्प लेकर पहुँची। बापदादा भी बच्चों का उमंग-उत्साह देखकर खुश होते हैं। तो वतन में जाते ही बाबा बोले – बच्ची आज क्या सन्देश लाई हो? मैंने कहा - बाबा दादी जानकी ने कहा है कि ग्लोबल हाउस के साथ वाला मकान मिल रहा है, बनाने के लिए छुट्टी भी मिली है। तो बाबा मुस्कराये और बोला – लंदन में जो जनक बच्ची और साथी सोचते हैं कि ''यह होना चाहिए'' तो सब के उमंग-उत्साह से वह मुश्किल बात भी सहज हो जाती है, और सफल भी होता रहता है। लण्डन निवासी बच्चों की हिम्मत बहुत अच्छी है और दृढ़ता है कि हो ही जायेगा। कैसे होगा, का संकल्प नहीं है। यह भी जनक बच्ची को वरदान मिला हुआ है। साथ में सब सहयोगी बच्चों का भी पार्ट बहुत अच्छा ड्रामा में है। बापदादा तो वाह, बच्चे वाह! के गीत गाते रहते हैं। मैं बोली – बाबा, जो प्लाट मिल

रहा है, उनके साथ वाला भी आफर कर रहा है। तो बाबा मुस्कराये और कहा– बच्चे जितनी हिम्मत है, सबका सहयोग है उतना करते जाओ।

उसके बाद मैंने दादी जानकी की तबियत का सुनाया। तो सुनते ही बाबा जैसे लण्डन में ही पहुंच गया और जानकी दादी को बहुत स्नेह की दृष्टि से पावर दे रहा था और मीठा-मीठा मुस्करा भी रहा था। उस मुस्कराहट में ऐसे लग रहा था जैसे बाबा उनको मीठा बोल भी रहा है कि जितनी शारीरिक सेवा की शक्ति है उसी अनुसार उसको चलाओ।

उसके बाद बाबा ने मुझे देखा और कहा कि और क्या समाचार है? मैं बोली बाबा आप कहाँ थे! तो बाबा बोले, बच्ची बाप की सेवा का मुख्य राइट हैण्ड है तो बाप को इशारा भी देना पड़ता है। विशेष अनन्य बच्चों पर विशेष ध्यान तो जाता है। आपकी दादी को भी और जनक बच्ची को खास बाबा अमृतवेले शक्ति देता है। ऐसे तो और भी विशेष निमित्त बच्चे हैं। जगदीश बच्चा है बीमार है या और भी आदि से अब तक सेवा के निमित्त हैं। अथक बन तबियत का न देख सेवा में लगे हुए हैं। उन सबको दृष्टि के दुआओं की दवाई देता रहता हूँ। आपको भी फील होता है कि हमें सब ब्राह्मणों का विशेष प्यार बाप की दुआयें मिलती हैं। मैं तो मुस्कराती रही और बोली, बाबा यह तो कमाल देख रहे हैं। ऐसे कहते बाबा के नयनों में जैसे सब सर्विसएबुल बच्चे समाये हुए थे और बाबा बहुत-बहुत प्रेम के सागर स्वरूप में थे।

उसके बाद बाबा को सुनाया कि दो ग्रुप टीचर्स की भट्ठी चल चुकी है। बहुत अच्छी रिजल्ट है। बाबा बहुत दिल से मुस्कराये और कहा कि अब दिखाई देता है कि सबके दिल में लहर उठी है कि कुछ करना ही है। बस दादी का दृढ़ संकल्प प्रैक्टिकल में आ रहा है। आगे भी बीच-बीच में अटेन्शन खिंचवाते रहेंगे तो अच्छा हो जायेगा। सबने मेहनत अच्छी की है। बापदादा सब निमित्त बने हुए बच्चों को मुबारक दे रहे हैं।

उसके बाद हमने बाबा को यह समाचार भी सुनाया कि मधुबन, शान्तिवन,

ज्ञान सरोवर में सब मधुबन निवासी भी भट्ठी बहुत रुचि से कर रहे हैं। तो बाबा बोले – मधुबन वालों को भी भट्ठी करने की विशेष मुबारक देना क्योंकि मधुबन का वायुमण्डल ही लाइट हाउस बन चारों ओर फैलता है। इसलिए मधुबन के एक एक बच्चे का भाग्य भी श्रेष्ठ है तो जिम्मेवारी भी इतनी ही है। मधुबन वालों का कमजोर वा शक्तिशाली वायब्रेशन चारों ओर फैलता है। बाकी मधुबन-वासी बच्चों पर तो बापदादा की विशेष नज़र छत्रछाया है ही। उन्हों को विशेष याद और दिल के प्यार की सौगात देना और कहना कि दिल के प्यार की लाइट के विमान में उड़ते रहो।

उसके बाद मेरे से बाबा ने टुअर का समाचार पूछा। मैंने कहा बाबा आपके अव्यक्त पालना की कमाल हांगकांग, बैंकाक और आस्ट्रेलिया के दोनों स्थानों में देखी। सबका योग द्वारा अनुभव बहुत वन्डरफुल है कि बाबा कैसे हमें प्यार, शक्ति दे रहे हैं। बहुत अच्छे-अच्छे उमंग की अनुभूति करते, आपस में सहयोगी बन खुद भी उड़ रहे हैं और सेवा में भी उड़ रहे हैं। आस्ट्रेलिया वालों के रिट्रीट हाउस का वातावरण में बहुत स्नेह और एकमत उमंग-उत्साह का देखा। क्यों, क्या कुछ नहीं देखा। सब बहुत खुशी-खुशी में पार्ट बजा रहे हैं।

बाबा बोले – बच्ची, अब चारों ओर के वातावरण में कुछ स्व परिवर्तन करने की लहर है और हर एक आगे उड़ने के उमंग में है। बापदादा को तो आस्ट्रेलिया निवासियों से आदि से विशेष प्यार है और सदा रहेगा। हांगकांग और बैंकाक के निमित्त सर्विसएबुल बच्चों की भी हिम्मत पर बापदादा बहुत-बहुत खुश हैं। एक एक बच्चा अपने-अपने प्रति बापदादा का स्पेशल यादप्यार और मधुर दृष्टि स्वीकार करे और साथ में चारों ओर के डबल फारेनर्स को बापदादा स्व-उन्नति और सेवा की उन्नति की डबल-ट्रिबल यादप्यार दे रहे हैं।

m m m